

[This Question Paper contains 3 printed pages.]

18/05/2016

15

Sl. No. of Q. Paper 3366

आपका अनुक्रमांक

M.A. (एम.ए.)/Sem. IV - 2016

HINDI (हिंदी) Paper-4043 (प्रश्नपत्र-4043)

मध्यकालीन साहित्य की लोकनिष्ठ परम्परा

(वर्ष 2014 से 2016 तक के पाठ्यक्रमानुसार)

समय : 3 घंटे

पूर्णांक : 70

(इस प्रश्नपत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

नोट : प्रश्नपत्र पर अंकित पूर्णांक नियमित कॉलेजों (श्रेणी 'A') के विद्यार्थियों के लिए अनुप्रयोज्य हैं। तथापि ये अंक NCWEB के विद्यार्थियों के संबंध में उनके परिणाम के संकलन के लिए नियुक्त अधिनिर्णय के समय उनके आनुपातिक रूप में अधिक होंगे।

1. नीचे दिए गए पद्यांशों की संदर्भ सहित आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए :

(क) देख देख राधा रूप अपार।

अपरुब के बिहि आनि मेराओल

खिति-तल लावनि सार॥

अंगहि अंग अनैंग मुरछाएत

हेरए पड़ए अधीर।

मनमथ कोटि-मथन करु जे जन

से हेरि महि-मधि गीर॥

कत-कत लखिमी चरन-तल नेओछए

रंगिनि हेरि बिभोरि

करु अभिलाख मनहि पदपंकज

अहनिसि कोर अगोरि॥

अथवा

(2)

अब मैं नाच्यौ बहुत गुपाल।

काम-क्रोध कौ पहिरि चोलना, कंठ विषय की माल।

महामोह के नुपूर बाजत, निंदा-सब्द-रसाल।

भ्रम-भोयौ मन भयौ पखावज, चलत असंगत चाल।

तृष्णा नाद करति घट भीतर, नाना विधि दै ताल।

माया को कटि फेटा बाँध्यौ, लोभ-तिलक दियौ भाल।

कोटिक कला काछि दिखराई, जल-थल सुधि नहिं काल।

सूरदास की सबै अविद्या, दूरि करौ नंदलाल॥

(ख) जे बहु भेसन लोक समानां। सो कैसें कै जाइ बखानां।

त्रिभुवन भाउ जान सभ कोई। जो किछु भाउ होइ सो होई।

चारिहुं जुग परगट न छपाना। बिरला कोनहुं जानि पिछाना।

परगट दसहुं दिसा उजियारा। सरब लीन पै आपु निरारा।

जेइ अपुना निजु ओहि चित लावा। विधि ओहि पुनि वह गुप्त देखावा।

गुप्त रहै परगट जग बेरसै सरब बियापक सोइ।

दूजा कोइ न आहै और भवा नहिं होइ॥

अथवा

लोक की लाज औ सोच प्रलोक को बारिये प्रीति ऊपर दोऊ।

गाँव को गेह को देह को नातो सनेह में हाँतो करै पुनि सोऊ।

बोधा सुनीति निबाह करै धर ऊपर जाकै नहीं सिर होऊ।

लोक की भीति डेरात जो मोत तौ प्रीति के पैँडें परै जनि कोऊ॥

10, 10

2.

विद्यापति भक्त कवि हैं अथवा श्रृंगारी? विचार कीजिए।

अथवा

भ्रमरगीत परम्परा में सूर का स्थान-निर्धारण कीजिए।

12

(3)

3. सूफी काव्य परम्परा में मंज़न का महत्त्व प्रतिपादित कीजिए।

अथवा

गुरुनानक देव की सामाजिक चेतना पर प्रकाश डालिए।

12

4. मीराबाई के काव्य में विद्रोह की सामाजिक पृष्ठभूमि पर विचार कीजिए।

अथवा

रीतिकालीन स्वच्छन्द कविता धारा में ठाकुर का वैशिष्ट्य प्रतिपादित कीजिए।

12

5. किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए :

(क) विद्यापति की काव्यभाषा;

(ख) बोधा के काव्य में प्रेम का स्वरूप;

(ग) मधुमालती में लोकतत्त्व;

(घ) ग़ज़ल और ग़ालिब।

7, 7